University in News on 01 August 2020

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में इस साल शुरू हो रहे नए डिग्री कोर्स में अगले सप्ताह से आवेदन

योगा, पब्लिक पॉलिसी और एमबीए एंटरप्रेन्योरशिप एंड पब्लिक पॉलिसी में दाखिले इसी साल से

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख शुक्रवार को समाप्त हो गई। लविवि में आवेदन करने से चूक गए अभ्यर्थियों के लिए अभी भी एक मौका है। यह मौका लविवि में इस साल शुरू हो रहे नए डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए है। लविवि इसी सत्र से योगा के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही एमए पब्लिक पॉलिसी और एमबीए एंटरप्रेन्योरशिप एन्ड पब्लिक पॉलिसी के नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। इन पाठ्यक्रम के साथ ही 31 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के आवेदन भी अगले सप्ताह से शुरू हो जाएंगे।

लविवि ने इस साल अपने यहां योगा संकाय की स्थापना की है। दो विभागों में कोर्स का संचालन शुरू होना है। एकेडमिक काउंसिल से इन पर मुहर लग चुकी है। लविवि ने पिछले कई साल से डिप्लोमा पाठ्यक्रम के संबंध में चली आ रही एडऑन की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी है। अब सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में सीधे आवेदन किया जा सकेगा। डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों का पुनरावलोकन करने के बाद विभागाध्यक्षों से उनके यहां संचालित होने लायक डिप्लोमा के प्रस्ताव दे दिए हैं। ऐसे 31 डिप्लोमा पाठ्यक्रम के आवेदन भी अगले सप्ताह से मांगे जाएंगे। विभागाध्यक्षों से मिली सूची के आधार पर डिप्लोमा दो वर्षों से इन पाठ्यक्रमों को एडआन की श्रेणी में डालने से यह सभी लगभग बंद हो गए थे। इसलिए इन पाठ्यक्रमों की एडआन की अनिवार्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। कोरोना की समस्या को देखते हुए कई रोजारोन्मुखी ऑनलाइन डिप्लोमा भी प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। इनकी न्यूनतम फीस 18 हजार रुपये निर्धारित की गई है।

बीए में नहीं एमए में पब्लिक पॉलिसी की पढ़ाई

लविवि ने डॉ. शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी में संचालित बीए इन पब्लिक पॉलिसी पाठ्यक्रम बंद कर दिया है। इसके स्थान पर अब इसे परास्नातक स्तर पर पढ़ाने का फैसला किया गया है। अब लविवि इस विषय में एमए पाठ्यक्रम संचालित करेगा।

उद्यम और पारिवारिक बिजनेस को बढ़ाने का पाठ्यक्रम

लविवि में इस साल से इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सांसेइन्स में एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके तहत उद्यमिता और फैमिली बिजनेस पर फोकस होगा। पाठ्यक्रम का नाम एमबीए इन एंटरप्रेन्योरशिप एंड फैमिली बिजनेस है। इसके आवेदन भी अगले सप्ताह से मांगे जाएंगे।

31 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के आवेदन भी अगले सप्ताह से होंगे शुरु

गर्भ संस्कार के साथ ही कई ऑनलाइन डिप्लोमा भी होंगे शुरू

लविवि साइबर लॉ, गर्भ संस्कार, राइट टू इन्फ़ॉर्मेशन पर नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। इतना ही नहीं टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ़ जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का ऑनलाइन संचालन किया जाएगा।

इन डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में होंगे दाखिले

पाठ्यक्रम- सीट

- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट- 60
- डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयरलाइन टिकटिंग एंड ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन- 30
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ फाउंडेशन इन टूरिज्म एंड ट्रैवेल- 60
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ इंडियन टुरिज्म एंड ट्रैवेल- 60
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ इंडियन टुरिज्म डेस्टिनेशन- 60
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ ग्लोबल टुरिज्म एंड डेस्टिनेशन- 60
- एडवांस डिप्लोमा इन क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटिक्स- 30
- एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग- 30
- प्रोफेशनल डिप्लोमा इन क्लिनिकल साइकोलॉजी- 16
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रोग्राम ऑन सक्सेजफुल कॅरियर बिल्डिंग- 30
- पीजी डिप्लोमा इन एपिडेमियोलॉजी एंड बायोस्टेट- 30
- पोस्ट एमए डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन रेगुलर- 30
- पीजी डिप्लोमा इन राइट टू इन्फॉर्मेशन एंड डेमोक्रेसी- 30
- पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन- 30,
- पीजी डिप्लोमा इन रिप्रोडक्शन एंड चाइल्ड हेल्थ- 30
- पीजी डिप्लोमा इन एचआईवी एड्स एंड फैमिली लाइफ एजुकेशन- 30
- पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्यूटी एंड ह्यूमन राइट्स- 30
- पीजी डिप्लोमा इन सायबर लॉ- 40
- पीजी डिप्लोमा इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट- 40
- पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार- 30
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन गर्भ संस्कार- 50
- पीजी डिप्लोमा इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग टेक्नोलॉजी- 15
- डिप्लोमा इन डेटा एनालिसिस विद स्टैटिकल पैकेज फ़ॉर सोशल साइंसेज - 30
- पीजी डिप्लोमा इन तमिल रेगुलर- 20
- प्रोफिशिएंसी इन तमिल रेगुलर- 20
- पीजी डिप्लोमा इन बायोडायवर्सिटी वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट- 30
- ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा इन वाइल्ड लाइफ जर्नलिज्म- 30
- सर्टिफिकेट कोर्स इन आर्थोनोलॉजी- 20
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एक्यूएटिक वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन- 20
- सर्टिफिकेट कोर्स इन वेस्टलैंड मैनेजमेंट- 20
- डिप्लोमा इन फ्रेंच- 20
- प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच रेगुलर- 60

लविवि में परीक्षा फॉर्म भरे बिना प्रमोशन नहीं

सभी वर्ष के छात्रों को अनिवार्य रूप से भरना होगा फॉर्म, जमा करनी होगी परीक्षा फीस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों समेत सभी वर्ष के छात्रों को प्रमोशन पाने के लिए अनिवार्य रूप से परीक्षा फॉर्म भरना होगा। लविवि ने शासन के निर्देश पर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा कराने तथा बाकी विद्यार्थियों को ऐसे ही प्रमोट करने का फैसला किया है। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा फीस भी जमा करनी होगी।

लविवि ने अब तक परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख छह से सात बार बढ़ाई है। असल में परीक्षा न होने की वजह से काफी विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म नहीं भर रहे हैं। उनका कहना है कि जब परीक्षा नहीं होनी है तो फिर परीक्षा फीस नहीं लेनी चाहिए। परीक्षा फॉर्म न भरने वाले विद्यार्थी कॉलेजों के ही हैं। लविवि परिसर के विद्यार्थियों को परीक्षा फीस दाखिले के समय ही देनी होती है। वहीं कॉलेज के विद्यार्थी बाद में परीक्षा फॉर्म भरते हैं। इसी वजह से लविवि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख बार-बार बढ़ा रहा है।

विवि और कॉलेज के विद्यार्थियों को सभी कोर्सों में परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि छह अगस्त तक बढ़ा दी गई है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी सूचना के अनुसार परीक्षा फार्म भरने के बाद कॉलेज व विभाग को सात अगस्त तक उसका प्रिंट आउट विश्वविद्यालय में जमा कराना होगा।

> **फॉर्म भरने पर ही रिजल्ट तैयार होगा**
>
> अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य विद्यार्थियों की परीक्षा नहीं होनी है, लेकिन उनका रिजल्ट तैयार होना है। परीक्षा फॉर्म होने पर ही उनका रिजल्ट तैयार किया जाएगा। इसलिए सभी विद्यार्थी 6 अगस्त तक परीक्षा फॉर्म भर दें। - **प्रो. एएम सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक लविवि**

NBT PAGE 6

तैयारी एलयू के फैकल्टी ऑफ इंजिनियरिंग की ओर से शिक्षकों का ब्योरा तैयार, 60 निजी संस्थानों को भेजा गया प्रपोजल

शिक्षक पढ़ाने के साथ निजी कंपनियों में देंगे सेवाएं

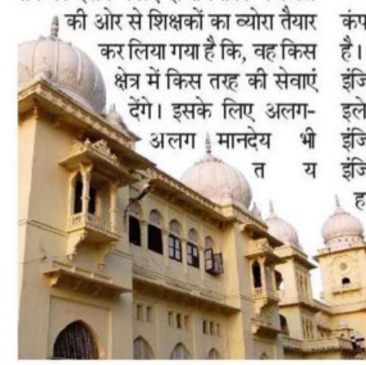

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस स्थित फैकल्टी ऑफ इंजिनियरिंग के शिक्षक वतौर कंसल्टेंट निजी कंपनियों में काम कर सकेंगे। इसके लिए इंजिनियरिंग फैकल्टी की ओर से शिक्षकों का ब्योरा तैयार कर लिया गया है कि, वह किस क्षेत्र में किस तरह की सेवाएं देंगे। इसके लिए अलग-अलग मानदेय भी तय होगा।

60% वेतन शिक्षक तो 40% एलयू कोष में जाएगा

वहीं, एलयू की ओर से करीव 60 कंपनियों को प्रपोजल भी भेज दिया गया है। इनमें सिविल इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रीकल इंजिनियरिंग, मकैनिकल इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड कम्यूनिकेशन इंजिनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस ऐंड इंजिनियरिंग विभाग के शिक्षक शामिल हैं। हालांकि, कंपनियों से मिलने वाले पैसे में 60 फीसदी शिक्षक रखेंगे, जबकि 40 फीसदी विश्वविद्यायलय कोष में जाएगा। अब तक लगभग 12 से 15 कंपनियों ने विश्वविद्यालय से कोटेशन मांगा है।

इनमें मिलेगा मौका

कंप्यूटर साइंस ऐंड इंजिनियरिंग के शिक्षक डेटा माइनिंग, नेटवर्क सिक्यॉरिटी, डेटा एनालिसिस, रिक्वॉयरमेंट एनालिसिस ऐंड गैदरिंग, एथिकल हैकिंग, डॉक्युमेंटेशन ऑफ वेब एप्स ऐंड एंड्रॉयड एप्स, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग, मल्टी एजेंट सिस्टम ऐंड सिस्टेमेटिक वेब, आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस में सेवाएं देंगे।

सिविल इंजिनियरिंग के शिक्षक वॉटर टेस्टिंग, कंक्रीट टेस्टिंग, वॉटर वेस्ट टेस्टिंग, सीमेंट टेस्टिंग, ई-वेस्ट मैनेजमेंट, बीट्यूमेन टेस्टिंग, रेन वॉटर हारवेस्टिंग, ब्रिक टेस्टिंग, अग्रीगेट टेस्टिंग, स्वॉयल टेस्टिंग में सेवाएं देंगे।

इलेक्ट्रीकल इंजिनियरिंग के शिक्षक डिजाइन ऐंड कॉस्ट इस्टीमेशन फॉर वायरिंग ऑफ बिल्डिंग, डिजाइन एंड कॉस्ट इस्टीमेशन ऑफ सोलर पीवी सिस्टम, टेस्टिंग ऑफ डायलेट्रिक स्ट्रेंथ ऑफ ट्रांसफॉर्मर ऑयल, डिजाइन ऐंड कॉस्ट इस्टीमेशन ऑफ सोलर वॉटर, हीटिंग सिस्टम, सोलर कुकर एंड सोलर ड्रायर, एनर्जी ऑडिट, कैलीब्रेशन ऑफ एम्मीटर ऐंड वॉलमीटर में सेवाएं देंगे।

एमबीए में 5 तक कर सकेंगे आवेदन

एलयू में यूपीएसईई के जरिए होंगे आवेदन

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में एमबीए में दाखिले के लिए अब पांच अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। एलयू में संचालित एमबीए कोर्स में इस बार यूपीएसईई के जरिए दाखिले होंगे। ऐसे में अभ्यर्थी यूपीएसईई की वेबसाइट पर 5 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन समाप्त, प्रवेश परीक्षा की तैयारियां शुरू

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में शुक्रवार को यूजी-पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन तारीख समाप्त हो गई। वहीं, प्रवेश परीक्षा की तैयारियां तेज हो गई हैं। विवि के अधिकारियों के मुताविक, विवि प्रशासन जल्द ही प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकता है। 15 अगस्त के वाद प्रवेश पत्र जारी करने की तैयारी है। अगस्त के आखिरी सप्ताह तक प्रवेश परीक्षा हो सकती है।

प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

■ एनबीटी, लखनऊः केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2020 के लिए लखनऊ के भू-विज्ञानी प्रो. अशोक साहनी को चुना है। प्रो. साहनी का नाम नर्मदा तट से डायनासोर राजसौरस नर्मडेन्सिस के फॉसिल अस्थिपंजर की खोज से नाम जुड़ा है। वह बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान की शोध समिति और अधिशासी परिषद के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह भूविज्ञानी एम साहनी के पुत्र और पुराक्नस्पति विज्ञानी प्रो. बीरबल साहनी के भतीजे भी हैं।

DAINIK JAGRAN PAGE 4 & 6

लविवि : यूपीएसईई से होंगे एमबीए में दाखिले

सत्र 2020-21 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए पाद्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई-20) के माध्यम से ही प्रवेश लिया जाएगा। यूपीएसईई में आवेदन की अंतिम तारीख पांच अगस्त है। गौरतलब है कि प्रदेशभर के इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट संस्थानों में दाखिले के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

प्रमोशन सूची जल्द

लखनऊ : लविवि उप कुलसचिव भावना मिश्रा ने बताया कि वरिष्ठता सूची को बनाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। मंगलवार को बैठक होगी। (जासं)

PIONEER PAGE 3

लविविः एमबीए में अब पांच अगस्त तक आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से एमबीए करने के इच्छुक स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। अभ्यर्थी पांच अगस्त तक एमबीए में दाखिले के लिए राज्य प्रवेश परीक्षा की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. संजय मेधावी ने बताया लखनऊ विश्वविद्यालय में संचालित एमबीए कोर्स में इस बार राज्य प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले लिए जाएंगे। यूपीएसईई ने आवेदन तिथि पांच अगस्त तक बढ़ा दी है। ऐसे में स्टूडेंट्स निर्धारित तिथि तक दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 8

लखनऊ विवि देश में 22वें स्थान पर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

कीर्तिमान बनाया

- रैंकिंग में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय पहले स्थान पर
- पत्रिका ने जारी की रैंकिंग, शोध से लेकर अन्य क्षेत्रों में बदलाव

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक नया कीर्तिमान रचा है। देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों में 22वें स्थान पर पहुंच गया है। एक पत्रिका की ओर से जारी रैंकिंग में यह स्थान पाया है। यह रैंकिंग शुक्रवार को जारी की गई। इस रैंकिंग में दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने देश में पहला स्थान पाया है। इसे लखनऊ विश्वविद्यालय में शोध से लेकर अन्य क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव का नतीजा माना जा रहा है। इसके पहले एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के सर्वे में लखनऊ विश्वविद्यालय को 88वां स्थान मिल चुका है।

इंटीग्रेटेड पीएचडी प्रोग्राम ने दिखाई दिशाः लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पिछले सात महीनों में विश्वविद्यालय में काफी बदलाव हुए हैं। नई शिक्षा नीति 2020 में जो बदलाव करने की बात कही गई है, वह पहले ही विश्वविद्यालय में शुरू कर दिए गए हैं। दावा है कि देश में सबसे बेहतरीन च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम विश्वविद्यालय में लागू किया जा चुका है। इसके अलावा, शोध को बढ़ावा देने के लिए इंटीग्रेटेड पीएचडी प्रोग्राम लेकर आ रहे हैं। कुलपति प्रो. राय कहते हैं कि

विश्वविद्यालय शोध के लिए जाने जाते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की बेहतरीन फैकल्टी उपलब्ध है। यह फैकल्टी इस दिशा में काम कर रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय सिर्फ पढ़ाई ही नहीं खेल के क्षेत्र में भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दे चुका है। यही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ विश्वविद्यालय को 88वीं रैंक मिल चुकी है।